समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास ईरान के ड्रोन हमले से हड़कंप, भारतीय समेत 4 लोग घायल

Sanket Morankar Published on 11 Mar 2026

मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच एक गंभीर घटना सामने आई है। दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास दो ड्रोन गिरने से इलाके में हड़कंप मच गया। इस घटना में एक भारतीय नागरिक सहित चार लोग घायल हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन सामान्य रूप से जारी रहा और किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब पूरे पश्चिम एशिया में तनाव का माहौल बना हुआ है। हाल के दिनों में कई देशों के बीच सैन्य गतिविधियां तेज हो गई हैं, जिससे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस घटना ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

बुधवार को दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास अचानक दो ड्रोन गिरने की घटना सामने आई। अधिकारियों के अनुसार इस घटना में चार लोग घायल हो गए। घायलों में एक भारतीय नागरिक, दो घाना के नागरिक और एक बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार घाना और बांग्लादेश के नागरिकों को हल्की चोटें आई हैं, जबकि भारतीय नागरिक को अपेक्षाकृत अधिक चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी घायलों को तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई और उनका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और आपातकालीन सेवाएं तुरंत सक्रिय हो गईं। सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके को घेर लिया और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए।

इतनी गंभीर घटना के बावजूद दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा। अधिकारियों के अनुसार यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक सावधानियां बरती गईं, लेकिन एयर ट्रैफिक सामान्य रूप से चलता रहा।

दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट दुनिया के सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों में से एक है। यहां से हर दिन हजारों यात्री दुनिया के अलग-अलग देशों के लिए यात्रा करते हैं। इसलिए इस तरह की घटना वैश्विक विमानन सुरक्षा के लिए भी चिंता का विषय बन जाती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि हाल के दिनों में मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण इस तरह की घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। क्षेत्र के कई देशों में मिसाइल और ड्रोन हमलों की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियां लगातार सतर्क बनी हुई हैं।

ड्रोन तकनीक के बढ़ते उपयोग ने युद्ध की रणनीति को भी बदल दिया है। कम लागत और अधिक सटीकता के कारण ड्रोन अब सैन्य अभियानों में तेजी से इस्तेमाल किए जा रहे हैं। यही कारण है कि नागरिक क्षेत्रों के पास भी इस तरह की घटनाओं का खतरा बढ़ता जा रहा है।

खाड़ी देशों में लाखों भारतीय नागरिक काम करते हैं और दुबई उनमें सबसे प्रमुख केंद्रों में से एक है। इसलिए इस तरह की घटनाओं से भारतीय समुदाय में भी चिंता बढ़ जाती है।

भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और जरूरत पड़ने पर भारतीय नागरिकों को सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

दुबई एयरपोर्ट के पास ड्रोन गिरने की घटना ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी चिंतित कर दिया है। यदि इस तरह की घटनाएं नागरिक क्षेत्रों के पास बढ़ती हैं, तो इसका असर वैश्विक यात्रा, व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर भी पड़ सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए कूटनीतिक प्रयासों को तेज करना जरूरी है। यदि तनाव कम नहीं हुआ तो आने वाले समय में ऐसी घटनाओं का खतरा और बढ़ सकता है।

घटना के बाद संयुक्त अरब अमीरात की सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं। एयरपोर्ट और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और संभावित खतरों से निपटने के लिए अतिरिक्त निगरानी की जा रही है।

साथ ही प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें।

दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास हुआ यह ड्रोन हादसा इस बात का संकेत है कि मध्य पूर्व में बढ़ता तनाव अब नागरिक क्षेत्रों तक पहुंचने लगा है। हालांकि इस घटना में बड़ा नुकसान नहीं हुआ और एयरपोर्ट संचालन सामान्य रहा, लेकिन इसने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में क्षेत्र की स्थिति पर दुनिया की नजरें बनी रहेंगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति स्थापित करने के प्रयास तेज किए जाएंगे।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.